

प्रेषक,

अमिताम श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तरांचल, देहरादून।

संस्कृति अनुभाग

देहरादून : दिनांक 27 मई, 2006

विषय :- बद्धी-कंदार उत्सव 2006 के आयोजन हेतु धनावंटन तथा अग्रिम आहरण की स्वीकृति के सम्बंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर आपके पत्र संख्या-332/सा0नि0उ0/दो-3/2006-07 दिनांक- 23-5-2006 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि दिनांक- 2-6-2006 को हरिद्वार, दिनांक-8-6-2006 को रुद्रप्रयाग एवं दिनांक- 10 व 12 जून 2006 को बद्धीनाथ में आयोजित होने वाले बद्धी-कंदार उत्सव 2006 के आयोजन हेतु कलाकारों के मानदेय/यात्रा व्यय/आवास/भोजन तथा मंच निर्माण/दर्शक दीर्घा/लाईट व साउंड व्यवस्था/वीडियोग्राफी (डिजिटल कैमरे द्वारा)/फोटोग्राफी/प्रचार-प्रसार/निमंत्रण पत्र/बुर्के/प्रतीक चिन्ह/शाल/दीपदान सामग्री व अन्य प्रकीर्ण व्ययों की प्रतिपूर्ति हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में प्राविधानित धनराशि रुपये 12.00 लाख (रुपये बारह लाख मात्र) की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति तथा इस स्वीकृति के सापेक्ष रुपये 6.50 लाख (रुपये छः लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि कोषागार से अग्रिम के रूप में आहरण कर व्यय करने की स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3. उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाए जिन मदों हेतु स्वीकृति की जा रही है अन्य किसी मद में व्यय नहीं किया जायेगा।

4. बजट मैनुअल/वित्त हस्त पुस्तिका एवं स्टोर घरचेज रूल्स/डी0जी0एस0एन0डी0 की दरें अथवा टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों के सम्बंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
5. उपरोक्त अग्रिम आहरित धनराशि का नियमानुसार समायोजन दिनांक-31-3-2007 तक कर लिया जाए एवं यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि किसी मद अथवा बीजक का दोहरा भुगतान न हो।
6. धनराशि का आहरण/व्यय आवश्यकतानुसार एवं मितव्ययता को ध्यान में रखकर किया जाय।
7. विगत वर्ष स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध कराये जाने तथा विगत वर्ष स्वीकृत अग्रिम के समायोजन के बाद ही इस धनराशि का आहरण किया जाय।
8. उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2205 कला एवं संस्कृति-00-102-कला एवं संस्कृति का सम्वर्द्धन- 91-बंदी कंदार उत्सव-00-42 अन्य व्यय मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।
9. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0- 221/वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-3/2006 दिनांक-26, मई 2006, में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

संख्या- 301 /VI-I/ 2006, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, माजरा, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तरांचल शासन।
3. आयुक्त, गढ़वाल/कुमाऊ मण्डल।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
6. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
7. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय।
- ✓ 8. निदेशक, एन0आई0सी0 उत्तरांचल।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव